चेडुगुडु

पाठ का सारांश

खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं। ये न केवल हमें स्वस्थ बनाते हैं अपितु हमारे अंदर प्रतिस्पर्धा की भावना भी जगाते हैं। प्रस्तुत पाठ में चेडुगुडु खेल के नियम, खिलाड़ियों की संख्या आदि के बारे में जानकारी दी गई है।

Summary

Sports are the important part of our life. Sports not only make us healthy but also create a sense of competition within us. This lesson describes the rules and number of players of Chedugudu.

: ठीक है। बेटे, इस खेल के मैदान को एक रेखा द्वारा दो हिस्सों में बाँटा जाता है। प्रत्येक हिस्सा 'पाला' कहलाता है। एक टीम का एक खिलाड़ी 'चेडुगुडु-चेडुगुडु' बोलते हुए दूसरी टीम के पाले में जाता है। वह एक ही साँस में अधिक से अधिक प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को छूकर अपने पाले में लौटने की कोशिश करता है। वहीं विरोधी टीम के सातों खिलाड़ी उसे पकड़ने की कोशिश करते हैं।

पढ़ें और विलोम शब्द चुनकर लिखें—

गाँव	×	.....शहर.....	पुराना	×	.....नया.....
सावधान	×	.....असावधान.....	शुभ	×	.....अशुभ.....
आसान	×	.....कठिन.....	सहमत	×	.....असहमत.....
लाभप्रद	×	.....हानिप्रद.....	जीत	×	.....हार.....

ये समूहवाची शब्द हैं। छात्रों को समझाएँ तथा याद करवाएँ। अन्य उदाहरण भी ले सकते हैं।

छात्र स्वयं करें।

चेडुगुडु के बारे में नाना जी द्वारा बताई गईं चार बातें याद करके लिखें—

i. दोनों टीमों में सात-सात खिलाड़ी होते हैं। पाँच एवजी खिलाड़ी होते हैं जो किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जगह खेलते हैं।

ii. 85 किलोग्राम से अधिक वज़नवाला व्यक्ति इस खेल को नहीं खेल सकता।

iii. खेल के मैदान को एक रेखा द्वारा दो हिस्सों में बाँटा जाता है। प्रत्येक हिस्सा 'पाला' कहलाता है।

iv. दोनों टीमों को 20-20 मिनट का समय मिलता है।

क. चेडुगुडु को किन-किन नामों से जाना जाता है?

चेडुगुडु को श्रीलंका में 'गुड्डु', बांग्लादेश में 'हा-दो-दो,' पूर्वी भारत में 'हु-तू-तू' और उत्तर भारत में 'कबड्डी' के नाम से जाना जाता है।

ख. चेडुगुडु खेलनेवाला खिलाड़ी आउट कब माना जाता है?

अगर खिलाड़ी पकड़ा जाता है या उसकी साँस टूट जाती है तो वह आउट हो जाता है।